>Title: Regarding alleged atrocities on a member in Uttar Pradesh.

अध्यक्ष महोदय : श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल, आपने कल मुझे प्रिविलेज नोटिस दिया था। इस विाय में आपका क्या कहना है?

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल (हमीरपुर, उ.प्र.) : माननीय अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश सरकार और प्रशासन द्वारा राजनीतिक विद्वेा की भावना से मेरे साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है जिससे मैं अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं को देख और सुन नहीं पा रहा हूँ। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज़ सुनिये।

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल : कानपुर में मेरे खिलाफ मुकदमा कायम कराया गया। उस समय मैं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल से इलाज कराकर डाक्टर की सलाह पर उत्तरांचल सरकार के गैस्ट हाउस में ठहरा हुआ था जिसके भुगतान की रसीद मेरे पास है। दिनांक 30.09.03 से 8.10.03 तक मैं वहां रहा और मेरे खिलाफ दिनांक 6.10.2003 को मुकदमा कायम किया गया। मुझे फंसाया गया और मेरे परिवार को भी फंसा दिया गया। इसके बाद दिनांक 18.10.03 को मैं स्टेट बैंक पार्लियामैंट की शाखा से पांच लाख रुपये लेकर उसी दिन नई दिल्ली, गोवाहाटी राजधानी एक्सप्रैस से कानपुर गया। जब मैं अपने घर पर गया तो पता लगा कि हमीरपुर में जिला पंचायत सदस्यों के खिलाफ भी फर्जी मुकदमे लगाए गए हैं, तो मैं अपने संसदीय क्षेत्र हमीरपुर चला गया। दिनांक 9.10.2003 को कानपुर की पुलिस मेरे घर जबरदस्ती घुसी और मेरी पत्नी से र्दुव्यवहार किया तथा ब्रीफकेस उठा ले गई । मेरी विकलांग पत्नी को मारा पीटा, मेरे नौकरों को मारा पीटा। इस तरह से हमारे साथ यह अन्याय हो रहा है और यह उत्तर प्रदेश सरकार के इशारे पर किया जा रहा है।

मैंने इस संबंध में आपको दो बार नोटिस दिये हैं और उन दोनों नोटिसों के आधार पर आज तक आपकी तरफ से दो बार पत्र लिखे जा चुके हैं लेकिन न तो गृह मंत्रालय और न उत्तर प्रदेश सरकार ने आपको किसी तरह की सूचना दी। इसलिए मैं चाहता हूँ कि इस मामले को आप विशेाधिकार समिति के सुपुर्द करें और हमें आप अपना संरक्षण प्रदान करें।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, यह विशेाधिकार का सवाल कहां से बनता है?

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने संसदीय क्षेत्र में नहीं जा पा रहा हूँ। मेरे खिलाफ पुलिस लगी हुई है। चारों तरफ से पुलिस घेर रही है। घर में परिवार के लोगों के साथ बुरा बर्ताव किया जा रहा है और मेरी हत्या कराने की पूरी साजिश है। यह लोकतंत्र की प्रणाली की सीधी-सीधी हत्या है। इसलिए मैं चाहता हूँ कि अगर मैं अपने क्षेत्र नहीं जा पाऊंगा और जनता के कामों को नहीं देख पाऊंगा तो मेरे विशेाधिकारों का हनन होगा । इसलिए मैं आपका संरक्षण चाहता हूँ। यह केवल राजनीतिक विद्वेा की भावना से किया जा रहा है। â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश की सरकार राजनीतिक विद्वेा के आधार पर काम नहीं कर रही है। उत्तर प्रदेश की सरकार गुण-दोा के आधार पर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश की सरकार अपने कर्तव्य को जानती है और माननीय सदस्य के कार्य में कोई व्यवधान पैदा नहीं किया जा रहा है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से इस सदन में कैसे बोल सकते हैं?

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल : ये उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से जवाब दे रहे हैं। हम तो कह रहे हैं कि आप इसकी निपक्ष जांच कराएं। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : चंदेल जी, आपका नोटिस मुझे मिला। मैंने दो बार इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र भी लिखा है। उनका उत्तर अभी तक आ जाना चाहिए था। मैं एक आखिरी मौका उत्तर प्रदेश सरकार को दूँगा और यदि 15 दिन में उनका उत्तर नहीं आएगा तो इस विाय पर मैं अगला निर्णय करूँगा। â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, बिहार का मामला बहुत गंभीर है। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Today, there is no 'Zero Hour'. So, you can take up your matter tomorrow. You will be given an opportunity tomorrow.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, एक चर्चा शुरू कराई गई है। पहले कहा था कि वह सोमवार को होगी लकिन वह चर्चा आज तक नहीं हुई। देश की जनता यह जानना चाहती है कि सरकार का सदन में इस पर क्या उत्तर है। वह चर्चा अधूरी है। उसमें रेल मंत्री भी इंटरवीन करना चाहते हैं। सरकार को भी उत्तर देना है और अभी तक उस पर चर्चा अधूरी है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बीएसी में तय हुआ है कि यह चर्चा कब लेंगे। उसकी रिपोर्ट में आपको तारीख बताई जाएगी। We have fixed up a date for its discussion.

...(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : चर्चा पूरी तरह से कराई जानी चाहिए, वह चर्चा अधूरी है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बीएसी में उसके लिए समय तय हुआ है। सुामा जी यहां उपस्थित नहीं हैं इसलिए मैं नहीं बता सकता हूँ कि कौन सी तारीख फिक्स की है। सुष ामा जी के आने के बाद मैं उनसे पूछकर आपको तारीख बता दूँगा।

...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : यह शुक्रवार को नहीं रखी जानी चाहिए। उस दिन सदन में उपस्थिति कम होती है। यह बहुत महत्वपूर्ण घटना है और पिछली बार भी शुक्रवार को ही चर्चा रखी गई थी। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सुामा जी जब आएंगी तो मैं पूछकर आपको समय बता दूँगा।

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : हमें मालूम हुआ है कि शुक्रवार को होगी, लेकिन शुक्रवार ठीक नहीं होगा। उसको कल करवा दीजिए। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : वह सुामा जी बताएंगी।

...(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, गन्ना के सवाल पर हमने एडजर्नमैंट मोशन दिया था। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please let me make it clear that I do not fix up the date for discussion here. The dates are fixed in a meeting of the Business Advisory Committee. If you want to say anything, you can talk to your Leader. Let your Leader bring the issue before the Business Advisory Committee for discussion.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now the discussion on Prime Minister's statement will start.

...(*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारा आपसे आग्रह है कि आप आश्वासन दें कि गन्ना के सवाल को कल लेंगे। यह बहुत गंभीर सवाल है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सुामा स्वराज जी जब यहां आ जाएंगी, तब मैं उनसे पूछकर आपको बताऊंगा कि वह विाय यहां किस दिन चर्चा के लिए निश्चित हुआ है।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, दो-दो संसदीय कार्य मंत्री यहां उपस्थित हैं, उन्हें मालूम होगा कि किस दिन वह चर्चा के लिए नियत किया गया है। â€¦ (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। मैं उस पर आपकी व्यवस्था चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : मैंने कार्य-स्थगन प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया है। यदि आप इस विाय पर चर्चा चाहते हैं, तो अपने नेताओं को कहिए कि वे बिजनैस एडवायजरी कमेटी में इस विाय पर चर्चा का प्रस्ताव करें।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : सर, उस विाय को चर्चा के लिए कल रख दीजिए।

अध्यक्ष महोदय : पप्पू यादव जी, मैंने आपसे कहा है कि जैसे ही सुामा स्वराज जी यहां आएंगी, मैं उनसे पूछकर आपको बताऊंगा। कृपया आप बैठिए।